2014

HINDI

(Major)

Paper : 5·6

(Hindi Alochana Evam Pramukh Alochak)

Full Marks : 60

Time : 3 hours

The figures in the margin indicate full marks for the questions

1. पूर्ण वाक्य में उत्तर दीजिए : 1×7=7

(क) हिन्दी आलोचना के सर्वप्रथम मौलिक व प्रौढ़ समालोचक होने का गौरव किन्हें प्राप्त है?

(ख) 'साहित्यालोचन' नामक ग्रंथ का प्रकाशन कब हुआ था?

(ग) शास्त्रीय आलोचना की मूल विशेषता क्या है?

(घ) प्रगतिवादी आलोचना किस दर्शन से प्रभावित है?

(ङ) 'रस-मीमांसा' किनकी रचना है?

(च) किसी एक प्रमुख छायावादोत्तर आलोचक का नाम बताइए।

(छ) 'कविता के नये प्रतिमान' के रचयिता कौन हैं?

2. संक्षेप में उत्तर दीजिए : 2×4=8

(क) आलोचना किसे कहते हैं?

(ख) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल की आलोचना की किन्हीं दो प्रमुख विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

(ग) आत्मप्रधान आलोचना की किन्हीं दो विशेषताओं पर चर्चा कीजिए।

(घ) आधुनिक काल के पूर्व-प्रचलित हिन्दी आलोचना की दो पद्धतियों के नाम बताइए।

3. किन्हीं **तीन** प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दीजिए : 5×3=15

(क) आलोचक के गुणों पर प्रकाश डालिए।

(ख) तुलनात्मक आलोचना पर सम्यक् रूप से विचार कीजिए।

(ग) द्विवेदीयुगीन आलोचना के प्रतिमानों को स्पष्ट कीजिए।

(घ) आलोचना के स्वरूप को स्पष्ट कीजिए।

(ङ) स्वच्छन्दतावादी समीक्षा पर विचार कीजिए।

4. छायावादोत्तर हिन्दी आलोचना की विकास-यात्रा पर संक्षिप्त रूप से विचार कीजिए। 10

अथवा

पूर्व आधुनिक-कालीन हिन्दी आलोचना की दिशा एवं दशा पर प्रकाश डालिए।

5. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल की सैद्धान्तिक आलोचना पर विचार कीजिए। 10

अथवा

डॉ० नगेन्द्र की आलोचना-दृष्टि की विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए।

6. आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी की हिन्दी आलोचना की देन पर प्रकाश डालिए। 10

अथवा

समीक्षक के रूप में डॉ० रामविलास शर्मा के महत्त्व का आकलन कीजिए।

★★★